वकलांगता के बावजूद नाम कमाया उत्तम ने

जागरण संवाददाता, ऊधमपुर

दोनों बाजूओं से अपंग होने के बावजूद ंव से लिखकर शिक्षा व चित्रकला में कई ारनामे कर चुके उत्तम कुमार को आज ी अपनी कला के पूरे जौहर दिखाने के लए सरकारी सहायता का इंतजार है।

रामनगर के छोटे से गांव में जनमा त्तम कुमार बचपन से ही दोनों बाजूओं से पंग था मगर हिम्मतें मदद मददते खुदा हावत का चितार्थ कर इस होनहार युवा न केवल शिक्षा में बल्कि पांव से काम रते हुए चित्रकला में भी कई जौहर खाए हैं।

जागरण से बातचीत करते हुए उत्तम ुमार ने बताया कि दोनों बाजूओं से बेकार ह बचपन में खाना व दूसरे काम अपने ांव से करता था और एक दिन उसके बड़े भाई ने कहा कि अगर तुम पांव से खाना खा सकते हो तो पढ़ लिख क्यों नहीं सकते? भाई की बातों से प्रेरणा लेकर उत्तम कुमार ने पढ़ना शुरू कर दिया ओर पांव से लिखते हुए दसवीं व 12वी कक्षा प्रास की ओर धीरे धीरे अपने दोस्त के

■ संघर्ष को सफलता का राज मानते हैं

सहयोग से चित्रकला में भी अपने जौहर दिखाना शुरू कर दिए। अपनी शानदार पेंटिंग से पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुला को भी हैरान कर चुके उत्तम कुमार ने फारूक अब्दुला ने बतौर इनाम के तौर पर शिक्षा विभाग में चतुर्थ श्रेणी की नौकरी भेंट कर दी। सरकारी नौकरी के दौरान भी लगातार चित्रकला में संघर्ष कर रहे उत्तम कुमार चंडीगढ़ में राष्ट्रीय स्तर की चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेकर छठा पुरस्कार भी जीत चुके हैं।

जयपुर व कर्नाटका से स्टोन कलर पर शानदार पेंटिंग करने वाले उत्तम कुमार को आज भी किसी सरकारी व गैर सरकारी संस्था भी आवश्यकता है ताकि वह उनके सहयोग से अपने चित्रों की प्रदर्शनी लगा सके। उनका दावा है कि वह किसी को भी फोटो एक दो दिन में बना सकते हैं ओर पूरे रंग भर कर एक फोटो बनाने में उन्हें 20 से 22 दिन का समय लगता है। अपनी ही तरह दूसरे अपाहिजों को संदेश देते हुए कहा कि वो हिम्मत न हारें ओर लगातार संघर्ष करें सफलता उन्हें अपने आप मिलेगी।